

सहपाठी अधिगम (PEER LEARNING)

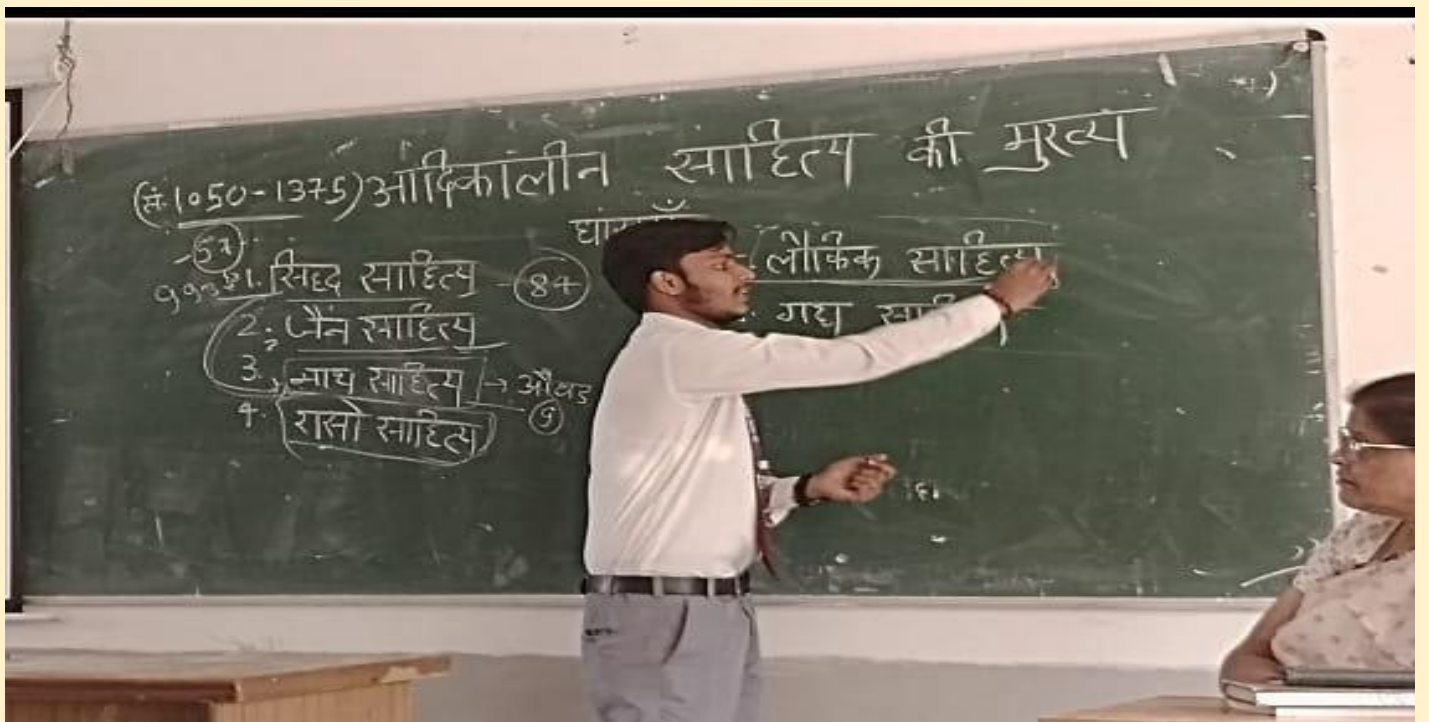
उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल की एक विशेषता है कि शिक्षक की व्यस्तता में या उपस्थिति में सामान्यतः वरिष्ठ विद्यार्थी या कक्षा का कोई निपुण छात्र कक्षा में प्रोजेक्टर या ब्लैक-बोर्ड के माध्यम से शिक्षण करता है, इससे न केवल पढ़ने वालों छात्रों को ज्ञानलाभ होता है, बल्कि पढ़ाने वाले छात्र में शिक्षक के गुणों का विकास होता है। हिन्दी विभाग में भी यह परंपरा सामान्यतः देखी जाती है।



निरंजन सिंह दाँगी, बीए हिन्दी तृतीय वर्ष प्रोजेक्टर के माध्यम से कक्षा शिक्षण करते हुए (सत्र :2021-22)



प्रयास गुप्ता क्रोध निबंध का सहपाठी शिक्षण करते हुए छात्र



उपर्युक्त दोनों छवियों में हिन्दी द्वितीय वर्ष का छात्र प्रवीण कुमार, कक्षाध्यापक डॉ. आरती श्रीवास्तव की उपस्थिति में हिन्दी प्रथम वर्ष की कक्षा में आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियां शीर्षक पर शिक्षण करते हुए।



उपर्युक्त छवि में हिन्दी प्रथम वर्ष की छात्र कीर्ति रजक भक्तिकाल की शाखायें शीर्षक पर कक्षा शिक्षण करते हुए



निहारिका ठाकुर हिन्दी मजार द्वितीय वर्ष द्वारा बिहारी का दोहा "तंत्रीनाद, कवित रस, सरस राग रतिरंग। अनबूड़े बूड़े तिरे जे बूड़े सब अंग॥" का कक्षा शिक्षण करते हुए। (सत्र :2022-23)